B-3 & 4
L- 14
Ethics

सामाजिक प्रभाव और अनुनय

सहमति पैदा

मनुष्य
↓
सामाजिक प्रभाव
↓

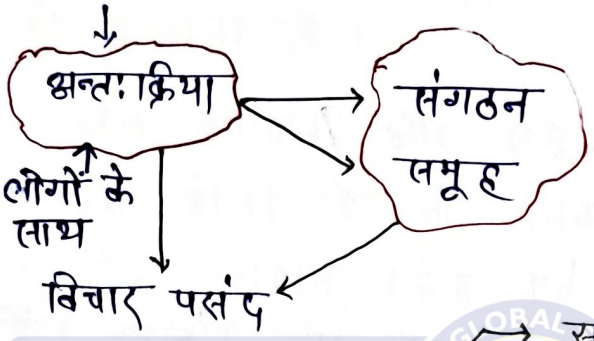

कार्य पर प्रभाव पड़ता है।
- सकारात्मक
- नकारात्मक

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

सामाजिक प्रभाव :-

वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी व्यक्ति की सोच, विचार, विश्वास, पसंद नापसंद के भाव एवं व्यवहार को दूसरों की उपस्थिति और उनके प्रभाव के माध्यम से परिवर्तित किया जाता है।

- यह प्रभाव सकारात्मक या नकारात्मक दोनों रूपों में हो सकता है।

सामाजिक प्रभाव के विविध प्रकार / रूप :-

- अनुरूपता
- अनुपालना
- आज्ञाकारिता

- आत्मसातीकरण

1- अनुरूपता :-

सामाजिक प्रभाव का एक प्रमुख रूप अनुरूपता है जिसमें व्यक्ति, समाज संगठन और समूहों के मानकों, मानदण्डों एवं आदर्शों के अनरूप अपना विचार, विश्वास और व्यवहार को बदलता है।

जब व्यक्ति और समूह के विचार में भिन्नता होती है तो इसके कारण व्यक्ति में मानसिक उलझन। द्वंद्व एवं तनाव उत्पन्न होता है। व्यक्ति इस मानसिक उलझन से बचने के लिए समूह अनुरूप अपने विचार व्यवहार एवं विश्वास को ऐच्छिक रूप से बदल लेता है

2. अनुपालन :-

अनुपालन का आशय ऐसी स्थिति से है जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति या समूह के द्वारा किये गए आग्रह, निवेदन, अनुरोध या माँग के अनुरूप एक विशिष्ट व्यवहार करता है।

अनुपालन में आदेश नही दिया जाता बल्कि अनुनय या निवेदन आदि के माध्यम से व्यवहार को अपेक्षित दिशा में परिवर्तित किया जाता है।

Ex- प्रधानमंत्री के आग्रह पर लाखों लोगों ने गैस सिलेन्डर पर सब्सिडी लेना बन्द

कर दिया।

- स्वच्छ भारत अभियान में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

अनुपालन की कई विधियाँ हैं।

(i) चाटुकारिता - चाटुकारिता की प्रक्रिया में व्यक्ति ऐसा कार्य करता है कि दूसरे लोग भी उसे पसंद करने लगे। और तत्पश्चात उसके अनुरोध या माँग के अनुरूप व्यक्ति कार्य व्यवहार करता है।

2. पारस्परिकता :-

यह सामाजिक आदान-प्रदान को दर्शाता है, हम दूसरों के अनुरोध पर कोई विशेष काम इसलिए करते हैं ताकि समय या परिस्थिति आने पर वह भी हमारी मदद कर सके।

बड़ी माँग रखकर छोटी माँग मनवा लेना। उँगली पकड़कर हाथ पकड़ने की तकनीक।

3. आज्ञाकारिता :-

- यह सामाजिक प्रभाव का सबसे स्पष्ट एवं प्रभावी रूप है इसमें व्यक्ति प्राधिकार युक्त व्यक्ति के आदेशों का पालन करता है। प्रशासन, सेना आदि में आज्ञाकारिता का तत्व विशेष रूप से दिखाई देता है। इसके निम्नलिखित फायदे हैं :-

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

- अनुशासन को बढ़ावा देने में।
- कानून एवं व्यवस्था को लागू करने में।
- निर्णयों को त्वरित एवं प्रभावी रूप से लागू करने में।
- समस्या एवं चुनौतियों को परस्पर संगठित होकर दूर करने में।
- सामाजिक समस्याओं के निस्तारण में।

आत्मसातीकरण :-

- जब कोई व्यक्ति किसी प्रभावी संगठन या व्यक्ति के प्रभाव में आकर अपने परंपरागत व्यवहार और दृष्टिकोण को बदलकर, उस विशेष व्यक्ति या संगठन के मूल्य एवं जीवन शैली से सहमत होकर उसे अपने निजी जीवन में अपनाता है तो फिर उसे आत्मसातीकरण कहते हैं।

जैसे⇒ आचार्य परमहंस के सानिध्य में आने के बाद नरेन्द्र नाथ के जीवन में परिवर्तन।

सामाजिक प्रभाव

अनुरूपता	अनुपालन	आज्ञाकारिता	आत्मसातीकरण
- दबाव समूह के अनुरूप कार्य	निवेदन या अनुरोध के माध्यम से कार्य	आदेश का भाव, उल्लंघन पर दण्ड	व्यक्ति या संगठन के सम्पर्क में आकर जीवन शैली का बदलना।

बाह्य एवं आंतरिक परिवर्तन।

अनुनय :-

समझाना / बुझाना, सहमति पैदा करना

- अनुनय एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें दूसरों के विचार, व्यवहार, तर्कों, तथ्यों एवं संदेशों आदि के माध्यम से कुछ विशेष मूल्यों, विश्वासों या व्यवहारों को अपनाने या न अपनाने के लिए राजी किया जाता है।
- अनुनय मनोवृत्ति परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण कारण है।

अनुनय की प्रक्रिया में दण्ड का भय चेतावनी, खुशहाली का सपना, सुखी जीवन की आस आदि को दिखा कर जागरूकता पैदा की जाती है कर्तव्य बोध कराया जाता है। सम्भावी परिणामों के लिए सचेत किया जाता है। और इस प्रकार अभिवृत्ति में परिवर्तन किया जाता है।

उदाहरण :-

पोलियो उन्मूलन अभियान अनुनय के माध्यम से लोगों की मानसिकता बदली गयी परिणाम स्वरूप व्यापक जनभागीदारी हुई और यह कार्यक्रम सफल रहा।

अनुनय के महत्वपूर्ण पक्ष :-

- कौन समझा रहा है। - विश्वसनीय
- व्यक्ति हो, प्रभावशाली हो, विशेषज्ञ हो, रोल मॉडल हो।

कैसे समझाया जाए :-?

रेडियो, TV, फिल्मी विज्ञापन, समाचार पत्र, सोशल मीडिया।

- किसे समझाया जाए ?
- ग्रामीण जनता, शहरी लोग, बच्चे, महिलाएं वृद्ध आदि।

समझाने के क्रम में सूचना एवं संदेश का प्रमाणिक, प्रभावी, तार्किक और आकर्षक होना चाहिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR